स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन, 2020 रपिोर्ट

प्रीलम्सि के लयि:

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन, 2020 रपिोर्ट के मुख्य बदुि

मेन्स के लयि:

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन, 2020 रपिोर्ट के अनुसार महलिा मृत्यु दर के प्रमुख कारण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 'यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड' (The United Nations Population Fund- UNFPA) द्वारा वशि्व स्तर पर महलिाओं की घटती संख्या के संदर्भ में 'स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन , 2020 (State of the World Population 2020) रपिोर्ट जारी की गई है।

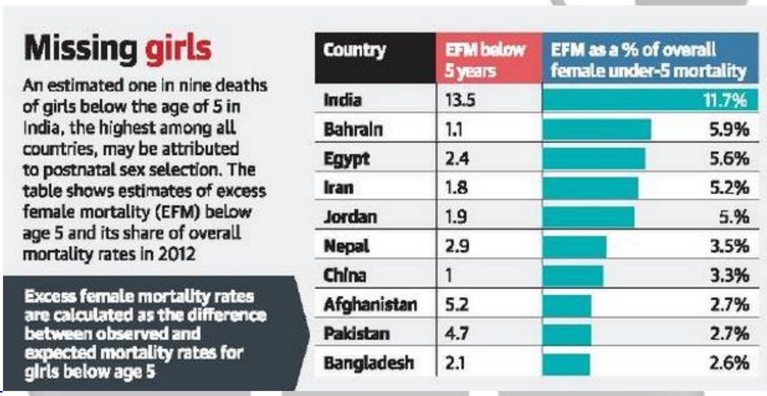

Missing girls

An estimated one in nine deaths of girls below the age of 5 in India, the highest among all countries, may be attributed to postnatal sex selection. The table shows estimates of excess female mortality (EFM) below age 5 and its share of overall mortality rates in 2012

Excess female mortality rates are calculated as the difference between observed and expected mortality rates for girls below age 5

Country	EFM below 5 years	EFM as a % of overall female under-5 mortality
India	13.5	11.7%
Bahrain	1.1	5.9%
Egypt	2.4	5.6%
Iran	1.8	5.2%
Jordan	1.9	5.%
Nepal	2.9	3.5%
China	1	3.3%
Afghanistan	5.2	2.7%
Pakistan	4.7	2.7%
Bangladesh	2.1	2.6%

//

प्रमुख बदुि:

- रपिोर्ट के अनुसार, हर वर्ष वशि्व में 142 मलियिन (14.2 करोड़) लड़कयिों की मृत्यु हो रही है।
- रपिोर्ट से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, महलिाओं की मृत्यु की संख्या पछिले 50 वर्षों में दोगुनी से अधकि हो गई है वर्ष 1970 में यह संख्या 61 मलियिन (6.10 करोड़) थी जो वर्ष 2020 में बढ़कर 14.26 करोड़ पर पहुँच गई है।
- इस रपिोर्ट में पक्षपातपूर्ण लगि चयन के साथ-साथ जन्म के समय लगि अनुपात असंतुलन का अध्ययन करके महलिाओं की मृत्यु के कारणों की जाँच की गई है।
- रपिोर्ट के अनुसार, अफगानसि्तान, बांग्लादेश और पाकसि्तान में 5 वर्ष से कम उम्र की लड़कयिों की मृत्यु दर 3 % से कम है।
- पाँच वर्ष की अवधि(वर्ष 2013-17) के औसत के अनुसार, हर वर्ष वैश्वकि स्तर पर जन्म के समय 1.2 मलियिन महलिाओं की मृत्यु हुई है, वहीं भारत में हर वर्ष जन्म के समय लगभग 4,60,000 लड़कयिों की मृत्यु हुई है।
- रपिोर्ट के अनुसार, भारत में वर्ष 2020 तक मृत महलिाओं की संख्या 45.8 मलियिन हो गई है वही चीन में यह आँकड़ा 72.3 मलियिन है।
- रपिोर्ट के अनुसार, वशि्व में लगि परीक्षण के कारण कुल मृत लड़कयिों की संख्या लगभग दो-तहिाई है तथा जन्म के बाद की महलिा मृत्यु दर लगभग एक-तहिाई है।
- लैंगकिआधारति भेदभाव के कारण अर्थात जन्म से पूर्व लगि चयन के कारण वशि्व में हर वर्ष लगभग 12-15 लाख लड़कयिों की मृत्यु हो जाती है जनिमें से 90%- 95% भारत और चीन में होती हैं।

भारत की स्थति:

- भारत में लिंग चयन के कारण 46 मिलियन (4.6 करोड़)लड़कियों की हर वर्ष मृत्यु हो रही है।
- इस रिपोर्ट में वर्ष 2014 के एक अध्ययन को आधार बनाते हुए बताया गया कि भारत में प्रति 1,000 महिला पर 13.5 प्रति महिला की मृत्यु प्रसवपूर्व लिंग चयन के कारण हुई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 5 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों में मृत्यु दर का अनुपात 9 लड़कियों पर 1 है जो सर्वाधिक है।

कमी के कारण:

- रिपोर्ट के अनुसार, बल विवाह, लोगों में पुत्र प्राप्ति की तीव्र इच्छा तथा लिंग चयन के कारण इस तरह के परिणाम देखने को मिल रहे है।
- हाल ही के एक विश्लेषण द्वारा पता चला है कि COVID-19 महामारी के कारण छह महीने तक यदि सेवाएँ और कार्यक्रम को बंद किया जाता है तो 13 मिलियन लड़कियों को शादी के लिये मज़बूर किया जा सकता है।
- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि हर वर्ष विश्व में लाखों लड़कियों को अपने समुदायों की उन प्रथाओं के अधीन किया जाता है जो उन्हें शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से नुकसान पहुँचाती हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-the-world-population-2020-report